मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 234 ■ मंगलवार, 10 दिसंबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

महायुति सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

मनपा चुनाव की हलचल शुरू

■ अब ठाणे जिले में राजनीतिक दलों शुरू की तैयारी

उल्हासनगर. विधानसभा चुनाव में ठाणे जिले की ज्यादातर सीटों पर महागठबंधन ने जीत हासिल की है, ऐसे में यहां महानगर पालिकाओं के चुनाव को लेकर रणनीति बननी शुरू हो गई है. दिलचस्प बात यह है कि महागठबंधन में विजयी उम्मीदवारों ने प्राप्त वोटों के आधार पर स्थानीय निकायों में अपना दबदबा बनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं. वहीं स्थानीय निकाय चुनाव में हारे हुए प्रत्याशी और राजनीतिक दल भी अपना राजनीतिक अस्तित्व बरकरार रखने के लिए मैदान में उतर गए हैं. इसलिए अगले तीन से चार महीने में मनपा चुनाव होने की संभावना को देखते हुए राजनीतिक दलों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं.

ठाणे जिले की सभी महानगरपालिकाओं व नगर पालिकाओं में जन प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। कार्यकाल समाप्त होने के चार वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक नये जन प्रतिनिधियों का चुनाव नहीं हो सका है. अदालती याचिकाओं के कारण मनपा चुनाव रुके हुए हैं। इसलिए, राज्य सरकार का प्रशासन के माध्यम से नगरपालिका पर सीधा नियंत्रण होता है। परिणामस्वरूप प्रशासनिक व्यवस्था में जन प्रतिनिधियों की कमी के कारण नागरिकों को भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे प्रशासन के पास जाना पड़ता है। शहर में मुद्दों और समस्याओं को सुलझाने में दिक्कतें आ रही हैं.

प्रदेश में जहां महायुति की सरकार स्थापित हो रही है, वहीं अब नगर निकाय क्षेत्र के विभिन्न दलों के पदाधिकारी भी महानगर पालिकाओं में निर्वाचित होने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए राजनीतिक दल नगर निगम चुनाव की जरूरत जताने लगे हैं. इसके अलावा, लोकसभा और विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद नगर निगम चुनाव भी होने की संभावना है, इसलिए जीते और हारे हुए उम्मीदवारों और पार्टियों ने नगर निगम चुनाव पर ध्यान देना शुरू कर दिया है.

कार्यकाल समाप्ति की तिथियाँ

ठाणे महानगर पालिका	5 मार्च 2022
नवी मुंबई महानगर पालिका	8 मई 2020
कल्याण-डोंबिवली महापालिका	10 नवंबर 2020
उल्हासनगर महानगर पालिका	4 अप्रैल 2022
भिवंडी महानगर पालिका	8 जून 2022
मीरा-भायंदर महानगर पालिका	27 अगस्त 2022
वसई-विरार महानगर पालिका	27 जून 2020
कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद	17 मई 2020
अंबरनाथ नगर परिषद	17 मई 2020

(राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार)

महागठबंधन के लिए सकारात्मक स्थिति

ठाणे जिले की 18 सीटों में से महायुति ने 16 सीटें और महा विकास अघाड़ी ने 2 सीटें जीती हैं। महायुति ने कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, नवी मुंबई, पनवेल, वसई-विरार, मीरा-भाइंदर नगर पालिकाओं की सभी सीटें जीत ली हैं। महाविकास अघाड़ी ने ठाणे नगर क्षेत्र में मुंब्रा-कलवा और भिवंडी नगर क्षेत्र में भिवंडी पूर्व नामक दो सीटों पर जीत हासिल की है। लेकिन महायुति के प्रति मतदाताओं के सकारात्मक समर्थन ने महायुति कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की नगर निगम चुनाव के लिए उत्सुक है.

आयलानी की जीत से ज्यादा कालानी की हार की खुशी

उल्हासनगर विधानसभा चुनाव में आयलानी की ऐतिहासिक जीत की खुशी भाजपाईयों में एक दिन ही देखने को मिली। आयलानी की जीत से ज्यादा कालानी की हार की खुशी कालानी विरोधी आयलानी के साथ मना रहे थे। जिसमें कुछ भाजपाई थे बाकी जिन भाजपाईयों ने काम किया वो जश्न से गायब थे। अपने वार्ड में जो मनपा चुनाव नहीं जीत पाते उन्होंने ऐतिहासिक वोट लाने का ढिंढोरा पीटा है जिसमें भाजपा, राकांपा कालानी गुट व शिवसेना के लोग भी शामिल हैं। एक तरफ जहां ईवीएम पर हैकिंग का इल्जाम लगाया जा रहा है वहीं अब पूर्व नगरसेवक अपने कार्यों का ढिंढोरा पीट रहे हैं और अपने आकाओं को प्रसन्न कर रहे हैं ताकि उन्हें टिकट मिल सके। क्योंकि आयलानी ने चुनाव जीतने के लिए ऐसे कितने ही नेता व कार्यकर्ताओं को टिकट के वादे किए हैं। यह वादे कालानी ने भी किए हैं। सरकार तो बन गई जब मंत्रिमंडल के बाद मनपा चुनाव हेतु सरकार निर्णय ले सकती है ऐसे में मनपा चुनाव के लिए हलचल शुरू हो गई है।

12 घंटे में पुलिस ने हत्या आरोपी को किया अरेस्ट

■ अंबरनाथ में तुषार का हत्यारा गिरफ्तार
■ दोस्त का विवाद निपटाने आया था तुषार
■ आरोपी पर चोरी का मामला भी दर्ज

अंबरनाथ. पार्टी में हुए विवाद के चलते एक युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। यह घटना अंबरनाथ के बारकूपाडा इलाके की है। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस ने महज 12 घंटे में आरोपी को पकड़ लिया. ज्ञात हो कि 18 साल का युवक तुषार देडे अपने दोस्त महेश धाबी और कुछ अन्य लोगों के साथ बारकू पाड़ा इलाके में पार्टी कर रहा था. इसी दौरान वहां आए आरोपी समीर वाघे की उनसे बहस हो गई. इस विवाद के दौरान समीर वाघे ने अपने पास मौजूद धारदार हथियार से महेश धाबी के सिर पर और तुषार देडे के प्राइवेट पार्ट पर वार कर दिया. गंभीर रूप से घायल तुषार की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस ने जांच में तेजी लायी और महज 12 घंटे में आरोपी समीर वाघे को अंबरनाथ एमआईडीसी इलाके से गिरफ्तार कर लिया. शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस उपनिरीक्षक रवींद्र भवारी की एक टीम, जिसमें पुलिस कांस्टेबल कैलास पाटिल, विकास वाल्वी, चौधरी, बोरसे, खामकर, पुलिस नायक देवरे, कीनोर, पुलिस सिपाही राजगे, मुठे, काकड़े, चत्तर, बोडके, गायकवाड़ और दादा वाघमारे ने आरोपी को ढूंढ निकाला।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि समीर वाघे पर पहले भी चोरी का मामला दर्ज है और उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा. इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल भी उपस्थित थे.

नकली पुलिस बनकर 1 लाख रुपए ऐंठे

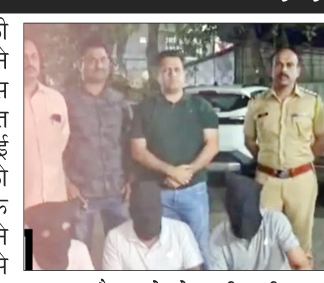

कल्याण. एक युवक की नियत तब बदल गई जब उसने देखा कि उसके दोस्त के पास पैसे हैं तो उसने अपने दोस्त को लूटने की योजना बनाई और अपने साथियों को पुलिसकर्मी बनाकर उसके ऑफिस भेजा और अपने साथियों की मदद से उससे करीब एक लाख रुपए ऐंठ लिए।

इस कृत्य की सीसीटीवी फुटेज होने के कारण डोंबिवली की मानपाडा पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू की और इस मामले में मास्टरमाइंड वीरेंद्र गुप्ता और उसके दो साथी वकील अहमद खान व शिवानंद पांडे के नाम सामने आए। पुलिस ने दोनों साथियों को गिरफ्तार कर लिया. मानपाड़ा पुलिस आगे की जांच कर मास्टरमाइंड दोस्त की तलाश कर रही है।

ड्रेनेज लाइन बिछाने हेतु शहर की सारी सड़कें उखाड़ी गई

■ धूल से लोग हो रहे बीमार
■ 440 करोड़ का ड्रेनेज लाइन बिछाने का टेंडर
■ 1000 करोड़ से ज्यादा के सीसी रोड उखाड़े गए
■ मनपा के खिलाफ कुर्ला कैम्प में आमरण उपोषण

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में हर जगह ड्रेनेज लाइन बिछाने का काम चल रहा है और इसके लिए शहर की सभी सड़कें उखाड़ दी गई हैं, जिसके कारण शहर में धूल का साम्राज्य फैल गया है और नागरिकों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन महानगरपालिका इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में उल्हासनगर-4 कुर्ला कैंप क्षेत्र में मनपा के खिलाफ नागरिकों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है, उल्हासनगर महानगरपालिका का बजट लगभग 900 करोड़ है, लेकिन नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण नागरिकों ने अपना गुस्सा जाहिर किया है, जिसे जारी रखने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं सड़क निर्माण होने तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। यह आंदोलन विशाल सोनावणे, सुरेश सोनावणे और वामदेव भोयर द्वारा किया गया है। ज्ञात हो कि ड्रेनेज लाईन बिछाने के लिए करीब 440 करोड़ का ठेका ईगल कंपनी को दिया गया है। ड्रेनेज लाईन बिछाने के लिए शहर की 1 हजार करोड़ से ज्यादा निर्माण की गई सभी सीसी सड़कों को उखाड़ा गया है जिससे दुकानदार व शहरवासी परेशान हैं। इससे शहर में ट्रैफिक जैम और धूल की समस्या उत्पन्न हो रही है।

ठाणे जिले में ठंड की वापसी

शहरवार तापमान

माथेरान	11.2 डि.से.
बदलापुर	11.3 डि.से.
अम्बरनाथ	12.1 डि.से.
कल्याण	13.2 डि.से.
पनवेल	13.2 डि.से.
डोंबिवली	13.3 डि.से.
ठाणे	14 डि.से.
नवी मुंबई	14 डि.से.

■ जिले का औसत तापमान 12 डिग्री सेल्सियस

बदलापुर. चक्रवात फेंगल के कारण पिछले कुछ दिनों से राज्य में तापमान में वृद्धि हुई. ठंड के बाद तापमान में अचानक हुई इस बढ़ोतरी के कारण कई लोगों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें बढ़ गईं. इसके बाद रविवार से तापमान फिर से कम होना शुरू हो गया। सोमवार को सबसे कम तापमान ठाणे जिले में दर्ज किया गया. बदलापुर में तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जिले का औसत तापमान 12 डिग्री सेल्सियस है.

पिछले कुछ दिनों से देश फेंगल तूफान से प्रभावित है. इसके चलते राज्य के कुछ हिस्से बेमौसम बारिश से भी प्रभावित हुए. वहीं मुंबई समेत उपनगरों में बादल छाए रहे। इससे तापमान में बढ़ोतरी देखी गई. इससे पहले ठाणे समेत आसपास के इलाकों में अच्छी ठंड महसूस की गई. लेकिन बादल छाए रहने के कारण अचानक तापमान बढ़ने से कई लोगों को परेशानी महसूस हुई. लेकिन पिछले दो दिनों से तापमान में बदलाव आ रहा है.

रविवार को तापमान में अच्छी गिरावट देखने को मिली. सोमवार को एक बार फिर जिले में ओले गिरे। सोमवार को दिसंबर माह का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया. सोमवार को जिले में सबसे कम तापमान बदलापुर में दर्ज किया गया। निजी मौसम वैज्ञानिक अभिजीत मोडक ने बताया कि बदलापुर में तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है.

ठंडी जगह कहे जाने वाले माथेरान में तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसलिए सोमवार सुबह करीब बदलापुर में ठंडी हवा का अहसास हुआ। जिले का औसत तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहा. उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण शिमला और अन्य हिमालयी पहाड़ों में बर्फबारी हुई। इसके प्रभाव से यहाँ उत्तर की ओर से ठंडी हवाएँ चलने लगीं। परिणामस्वरूप आर्द्रता कम हो गई और शुष्क हवा शुरू हो गई। निजी मौसम विज्ञानी अभिजीत मोदक के अनुसार, परिणामस्वरूप तापमान में तेजी से गिरावट देखी गई। मोदक ने यह भी कहा है कि पहले ही अनुमान लगाया गया था कि तापमान गिरेगा. उन्होंने यह भी संभावना जताई है कि अगले कुछ दिनों में भी इसी तरह का तापमान दर्ज किया जाएगा.

आवारा कुत्तों की दहशत

■ रोजाना 15 से 17 लोगों को बना रहे शिकार
■ जनवरी से 4 दिसंबर के बीच 5644 लोगों को कुत्तों ने काटा
■ अंबरनाथ नपा आवारा कुत्तों को काबू में करे

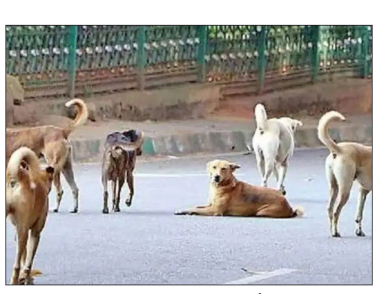

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ से एक खौफनाक खबर सामने आई है. जनवरी से दिसंबर 4 तारीख तक शहर के 5644 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है. इस संख्या में ये घटना शामिल नहीं है, जिसमें खुंटवली एवं बुवापाड़ा के दो मासूम बच्चों को आवारा कुत्तों ने जमीन पर गिरा कर काटा है. आवारा कुत्तों को काबू में करने के लिए अंबरनाथ नगर परिषद पूरी तरह असफल रहा है, जिसके कारण शहर में आवारा कुत्तों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. इन आवारा कुत्तों से बच्चे, वृद्ध, युवक-युवतियां कोई भी सेफ नहीं है. शहर के लिए ये एक चिंता की खबर है. जनवरी से 4 दिसंबर तक आवारा कुत्तों ने 5644 लोगों को काटा है. ये मांग अब बढ़ती जा रही है कि नगर पालिका इन कुत्तों की नसबंदी करके कुत्तों की संख्या में कमी लाए. आवारा कुत्तों के काटने का एक बड़ा कारण ये बताया जा रहा है कि आवारा कुत्ते अपना पेट भरने के लिए घूमते रहते हैं. जब उन्हें खाना नहीं मिलता तो वह भूखे पेट लोगों को काटने लगते हैं. गत दिनों अंबरनाथ पश्चिम में दो मासूम बच्चों को इन आवारा कुत्तों ने काटकर शहर में दहशत का माहौल कर दिया है. अब पालक अपने बच्चों को अकेला छोड़ने में डर रहे हैं. पूरे वर्ष में 5644 लोगों को कुत्तों का काटना ये बता रहा है कि रोजाना 15 से 17 लोगों को ये आवारा कुत्ते काट रहे हैं. अंबरनाथ नपा ने इन आवारा कुत्तों को काबू में करे, ऐसी मांग लोग कर रहे हैं.

कर्जत रेल कॉरिडोर का काम जोरों पर

■ 2782 करोड़ खर्च
■ 67 फीसदी काम पूरा

ठाणे. मुंबई उपनगरीय रेल विस्तार ने एक कदम आगे बढ़ाया है, पनवेल कर्जत उपनगरीय रेल कॉरिडोर 67 प्रतिशत पूरा हो गया है. इस पर अब तक 2 हजार 782 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं.

पनवेल कर्जत उपनगरीय कॉरिडोर का काम पिछले पांच साल से चल रहा है. रेलवे विकास निगम के पास यह कार्य है, और मुंबई के तीसरे गेटवे कॉरिडोर पनवेल और कर्जत में बड़े पैमाने पर औद्योगिक परियोजनाएं आ रही हैं. कर्जत को पनवेल की आसान कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है. इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है. साथ ही वन भूमि में कार्य के लिए पर्यावरण विभाग की आवश्यक अनुमति भी प्राप्त कर ली गई है. इस परियोजना के लिए 56.82 हेक्टेयर निजी भूमि और 4.4 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण किया गया है. यह सड़क 20 लाख घन मीटर जमीन भरकर बनाई जा रही है. इस मार्ग पर तीन सुरंगें हैं, सुरंग की खुदाई शुरू हो चुकी है. रेलवे लाइन पर 47 पुल और 4 ट्रैक लगाए जा रहे हैं. 35 पुल पूरे हो चुके हैं. मोहपे से किरवाली के बीच काम में तेजी आ गई है.

दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा

यह मार्ग दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा. यह नवी मुंबई और रायगढ़ जिले में औद्योगिक परियोजनाओं को जोड़ने का एक कार्यक्रम है. जैसे ही एमएमआर का विस्तार होगा, यह लाइन मध्य रेलवे और हार्बर रेलवे को जोड़ेगी. इससे इस क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी. यह परियोजना पनवेल के माध्यम से सीएसएमटी, कर्जत को सक्षम बनाएगी. कर्जत से यात्री हार्बर द्वारा सीएसटी तक पहुंच सकते हैं. इससे 25 मिनट की बचत होगी.

कल्याण स्टेशन इलाके में रिक्शा चालकों की मनमानी

■ रिक्शा चालकों के कारण स्टेशन क्षेत्र में जाम की स्थिति

कल्याण. कल्याण स्टेशन इलाके में रिक्शा चालकों की मनमानी के कारण लगने वाले जाम का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है. इस जाम से होकर यात्रियों को कल्याण रेलवे स्टेशन तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है. इसके अलावा रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर अनाधिकृत रिक्शा चालकों द्वारा आड़ी-तिरछी रिक्शा खड़ी कर किराया वसूलने से भी कल्याणकर नागरिकों को परेशानी हो रही है. ट्रैफिक पुलिस को स्टेशन क्षेत्र में गतिरोध को तोड़ने के लिए अपनी कमर कसनी चाहिए।

वर्तमान में कल्याण स्टेशन क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के तहत विकास कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं. इससे स्टेशन क्षेत्र की सड़कें संकरी होती जा रही हैं। ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण स्टेशन क्षेत्र में रिक्शा चालकों के अवरोध के कारण कल्याण स्टेशन पर भीषण जाम लग रहा है.

करीब तीन साल बाद पत्री पुल पर लगने वाले जाम से निजात तो मिल लेकिन शहर की आंतरिक सड़कों पर भी राहगीरों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कल्याण स्टेशन इलाके में रिक्शा चालकों की वजह से लगने वाले जाम का खामियाजा भी आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है. नतीजा यह है कि यात्रियों को स्टेशन क्षेत्र में जाम से गुजर कर स्टेशन तक पहुंचना काफी मशक्कत भरा होता है

रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर रिक्शा चालकों द्वारा अनाधिकृत रिक्शा खड़ा कर उसमें सवारियां भरने के कारण यात्रियों को रेलवे स्टेशन आने-जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में परिवार के साथ स्टेशन पहुंचना मुश्किल हो गया है।

रिक्शा चालकों के कारण सड़क जाम कर बैठे रहने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ यात्री नाराजगी का स्वर बुलंद कर रहे हैं. उम्मीद है कि बेलगाम रिक्शा चालकों पर कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है. इससे अक्सर यात्रियों और रिक्शा चालकों के बीच बहस हो जाती है। कई बार स्टेशन क्षेत्र में रिक्शा चालकों द्वारा यात्रियों पर हाथ फेंकने की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं. क्या पुलिस प्रशासन ऐसे बेलगाम रिक्शा चालकों को अनुशासन का पाठ पढ़ाने का काम करेगा? इसने हजारों यात्रियों का ध्यान आकर्षित किया है.

अंबरनाथ में ईवीएम के विरोध में हस्ताक्षर अभियान

■ अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस द्वारा बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग
■ 11 को शहर पूर्व में 13 को पश्चिम में चलाई जाएगी मुहिम

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में 11 और 13 दिसंबर तक ईवीएम हटाओ संविधान बचाओ और बैलेट पेपर से मतदान कराओ की मांग को लेकर अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा. अध्यक्ष एड. कृष्णा रसाल पाटिल ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के आदेशानुसार एवं ठाणे जिला अध्यक्ष दयानंद चोरघे के मार्गदर्शन में अंबरनाथ शहर में 11 और 13 दिसंबर को ईवीएम हटाओ अभियान के तहत सुबह 10 से रात 10 बजे तक शहर की जनता से ईवीएम के विरोध में एवं बैलेट पेपर से आगामी चुनाव को संपन्न कराने के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है. इस संबंध में अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में एड. कृष्णा पाटिल ने एक बैठक का आयोजन किया था, जिसमें सचिव रोहित प्रजापति, गनी पीरजादे, शंकर गायकवाड़, नंदकुमार देवडे, राजेंद्र मिश्रा, अनिता प्रजापति, सायरा सय्यद, सुभद्रा काले आदि उपस्थित थे.

विदित हो कि ईवीएम को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने को लेकर राज्य कांग्रेस पक्ष और महाविकास आघाड़ी ने संयुक्त रूप से राज्य में 5 से 20 दिसंबर तक ईवीएम के विरोध में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है. उसी मुहिम के अनुसार अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस ने 11 दिसंबर को शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर और 13 दिसंबर को शहर पश्चिम में स्टेशन चौक पर हस्ताक्षर मुहिम रखा है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील

देश के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत विषाक्त या दूषित भोजन खाने से बच्चों के बीमार पड़ने, यहां तक कि मर जाने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। विडंबना है कि इतना संवेदनशील मामला होने के बावजूद किसी घटना से सबक लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि एक घटना के कुछ दिनों बाद वैसा ही दूसरा मामला सामने आता रहता है और फिर संबंधित महकमे की ओर से जांच और कार्रवाई के भरोसे के साथ शांत पड़ जाता है।

ताजा घटना महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के सावली तहसील के एक विद्यालय में संदिग्ध विषाक्त भोजन के सेवन के बाद सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को पेट दर्द की शिकायत और उल्टी की वजह से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गनीमत है कि इलाज के बाद बच्चों की स्थिति स्थिर बताई गई, लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि भोजन में विषाक्तता अगर थोड़ी ज्यादा होती, तो इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के साथ क्या हो सकता था।

सवाल है कि देश भर के सरकारी विद्यालयों में बच्चों को कुपोषण की समस्या से बचाने के उद्देश्य से चल रही इस योजना में इस व्यापक खामी को दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं किए जाते। क्या वजह है कि हर कुछ समय के बाद देश के अलग-अलग इलाकों से इस तरह की घटना सामने आती रहती है, जिनमें विद्यालयों में मिले मध्याह्न भोजन से कई बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है?

ऐसे हर मामले के बाद भविष्य में सब कुछ ठीक करने का सरकारी भरोसा जरूर आता है, मगर इसे सुनिश्चित करने की हकीकत यही है कि कुछ समय बाद फिर किसी स्कूल में वैसी ही घटना हो जाती है। यह समझना मुश्किल है कि मध्याह्न भोजन की योजना में इस तरह की गड़बड़ियों के मामलों की अनदेखी या फिर एक दुरुस्त व्यवस्था करने को लेकर लापरवाही क्यों दिखती है!

क्या ऐसा इसलिए है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आमतौर पर समाज के कमजोर तबकों से होते हैं? यह अफसोसनाक है कि अभाव से जूझते परिवारों के बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के मकसद से लागू इस महत्त्वाकांक्षी योजना में कई स्तर पर मौजूद गड़बड़ियों को दूर करने को लेकर सरकार के भीतर इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है।

रेवड़ी संस्कृति पर चिंतन का समय, विकास कार्यों पर लग रहा ब्रेक

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति और झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकारें अस्तित्व में आ गई हैं। अब बारी विधानसभा चुनाव के दौरान अपने-अपने राज्यों के मतदाताओं से किए गए मुफ्त के वादों को लागू करने की है। लाडकी बहिन योजना, मंइयां सम्मान योजना, किसानों की कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त गैस सिलेंडर जैसे चुनावी वादे महाराष्ट्र और झारखंड में इन दिनों गूंज रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इनके लागू होने से दोनों राज्यों की आर्थिकी बिगड़ सकती है। देश में मुफ्त की घोषणाओं या रेवड़ियों की परिभाषा भले ही तय न की जा सकी हो, लेकिन ऐसे कदमों से राज्यों की माली हालत पर असर पड़ता ही है। मध्य प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में यह देखा जा चुका है।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से 21 से 65 वर्ष की आयु की सभी महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक भत्ता देने का एलान किया गया है। महाराष्ट्र में इसे मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना योजना की तर्ज पर शुरू किया गया था। इस स्कीम ने मध्य प्रदेश में भाजपा को चुनावी फायदा तो दिया, लेकिन ऐसे चुनावी वादों का नतीजा यह हुआ कि पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकार को जमकर उधार लेना पड़ा। परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश का कुल कर्ज चार लाख 18 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इस साल भी उसे 94,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज लेना पड़ सकता है। महाराष्ट्र का

हाल यह है कि चालू वित्त वर्ष के लिए महिला एवं बाल कल्याण विभाग की योजनाओं में जहां 4,677 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, वहीं केवल लाडकी बहिन योजना पर सालाना 46,000 करोड़ रुपये खर्च होने हैं, वह भी 1500 रुपये महीने के आधार पर।

चालू वित्त वर्ष में उसका राजकोषीय घाटा उसकी जीएसडीपी का 2.6 प्रतिशत यानी दो लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में लगभग 46,000 करोड़ रुपये तमाम सब्सिडी के तहत आवंटित हुए थे। इस साल के बजट में शिंदे सरकार ने लोकलुभावन योजनाओं के लिए करीब 96,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया था। निश्चित रूप से अब नए चुनावी वादों का बोझ महाराष्ट्र के बजट पर पड़ेगा। इससे उसके पूंजीगत खर्च पर आंच आ सकती है, जो पिछले साल से पहले ही कम हो चुका है।

झारखंड की बात करें तो वहां चालू वित्त वर्ष के लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये का जो बजट पारित किया गया था, उसमें पहले ही कृषि कर्ज माफी की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर दो लाख रुपये की जा चुकी है। इस वित्त वर्ष में उसका राजकोषीय घाटा राज्य की जीएसडीपी के 2.02 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

खनन से होने वाली आमदनी के सहारे झारखंड वित्त वर्ष 2016-17 से राजस्व अधिशेष की स्थिति में है, लेकिन मंइयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2,100 रुपये से लेकर 2,500 रुपये महीने तक देने के वादे को पूरा करने की स्थिति में झारखंड का राजस्व अधिशेष का दर्जा खतरे में पड़ सकता है।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में भी अगर इसी प्रकार से राजनीतिक दलों द्वारा रेवड़ियां बढ़ती रहीं, तो इन राज्यों में भी आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं। लोकलुभावन खर्च, सब्सिडी, मुफ्त की सुविधाएं तथा लगातार बढ़ते वेतन और पेंशन बिलों के कारण राज्यों को विकास के कार्यों के लिए कोई धन नहीं बच रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों के लिए घोषणा पत्र जारी करने के लिए एक निश्चित गाइडलाइन तय की है, लेकिन इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। दरअसल देश में ऐसा कोई कानून नहीं है जिससे घोषणा पत्रों में की जाने वाली घोषणाओं को नियंत्रित किया जा सके।

हालांकि अभी सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ राजनीतिक दलों द्वारा वितरित मुफ्त उपहारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए दायर याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। न्यायालय को जल्द ही इस मामले की सुनवाई पूरी कर इस बढ़ती बीमारी का इलाज करना चाहिए। अब इस रेवड़ी संस्कृति पर गंभीरता से चिंतन करने का वक्त आ गया है।

आत्मा उसी सार-तत्त्व से बनी है जिससे परमात्मा।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सीरिया में संकट, पड़ोसी देशों के लिए भी सबक

आखिरकार विद्रोहियों ने सीरिया पर कब्जा कर लिया और वहां के शासक बशर अल असद को देश छोड़ने के लिए विवश किया। विद्रोहियों के संगठन हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने जिस बिजली की गति से सीरिया की राजधानी दमिश्क को अपने कब्जे में ले लिया, वह हैरान करने वाला है।

इस संगठन के लड़ाकों ने 27 नवंबर से अपना अभियान शुरू किया था और पहले अलेप्पो शहर पर कब्जा जमाया और इसके बाद एक के बाद एक शहरों को अपने नियंत्रण में लेते गए और अंततः दमिश्क भी जा पहुंचे। अलेप्पो से लेकर दमिश्क तक उन्हें जिस तरह किसी कड़े प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा, उससे यही स्पष्ट होता है कि सीरिया की सेना कमजोर पड़ चुकी थी।

सीरिया के लोगों ने विद्रोही लड़ाकों का जिस उत्साह के साथ स्वागत किया, उससे यह भी पता चलता है कि बशर अल असद कहीं अधिक अलोकप्रिय हो गए थे। इस अलोकप्रियता का कारण उनका सीरिया पर निर्मम ढंग से शासन करना रहा। सीरिया लगभग 13 सालों से अस्थिरता और अशांति से जूझ रहा है।

वह विद्रोही गुटों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय ताकतों का अखाड़ा भी बना हुआ है। एक ओर जहां रूस और ईरान असद सरकार के समर्थन में खड़े थे, वहीं दूसरी ओर तुर्किये, अमेरिका और इजरायल असद सरकार का पतन चाह रहे थे। इस बार ईरान और रूस असद की सहायता इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि जहां ईरान इजरायल के साथ उलझा हुआ है, वहीं रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है।

सीरिया में विद्रोहियों का कब्जा ईरान के लिए बड़ा झटका है। इसमें संदेह है कि सीरिया में अपने समर्थन वाली सरकार के पतन के बाद ईरान चैन से बैठेगा। भले ही

विद्रोही बिना किसी बड़े रक्तपात के सीरिया में काबिज हो गए हों, लेकिन वहां स्थायी रूप से शांति कायम होने के आसार इसलिए कम हैं, क्योंकि तुर्किये सीरिया को अपने ढंग से चलाना चाहता है।

इसके अतिरिक्त सीरिया के एक हिस्से पर काबिज कुर्द लड़ाके अपनी जमीन छोड़ने के लिए तैयार नहीं, जबकि तुर्किये उन्हें अपने लिए खतरे के रूप में देखता है। सीरिया में अशांति और अस्थिरता का खतरा इसलिए भी दिख रहा है, क्योंकि हयात तहरीर अल-शाम में वस्तुतः वही लड़ाके हैं जो कभी अलकायदा और इस्लामिक स्टेट के साथ थे।

यदि यह संगठन सीरिया में शांति एवं स्थिरता लाने के बजाय अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने की कोशिश करता है तो इजरायल और कुर्द विद्रोहियों के साथ उसका टकराव तय है। अब पश्चिम एशिया के देशों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हयात तहरीर अल-शाम का सीरिया पर कब्जा जिहादी तत्वों के मनोबल को बढ़ाने का काम न करे।

चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि सीरिया में जो कुछ हुआ, उससे दुनिया भर के जिहादी संगठन बेलगाम हो सकते हैं इसलिए भारत को सतर्क रहना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि पाकिस्तान में तो ऐसे संगठनों की सक्रियता है ही, बांग्लादेश में भी वे सिर उठाते दिख रहे हैं।

किस भाषा का शब्द है 'रिक्शा'? सोचा नहीं होगा कभी

जरा हट के

भारत में रिक्शों का इतिहास कोई नया नहीं है. जब सड़कों पर कोई वाहन नहीं होते थे, जब भी रिक्शा मौजूद था. पहले तो रिक्शों में साइकिल की भी ज़रूरत नहीं होती थी बल्कि ये इंसान यूं ही खींचते थे. वक्त बदला और रिक्शा भी बदलता गया.

शायद ही कोई ऐसा होगा, जिसने अपनी ज़िंदगी में कभी रिक्शा की सवारी नहीं की होगी. वैसे तो टेक्नोलॉजी काफी आगे पहुंच चुकी है लेकिन बचपन में रिक्शा से स्कूल जाने या फिर थोड़ी दूर तक जाने का मज़ा ही अलग होता है. क्या आपने कभी सोचा है कि ये 'रिक्शा' शब्द आया कहां से?

दिलचस्प ये है कि रिक्शा तब से आज तक यूं ही बना हुआ है. भले ही वाहनों की टेक्नोलॉजी बदलती जा रही हो, लेकिन रिक्शा आज भी ट्रेंड से बाहर नहीं हुआ है. आपको कहीं सजे-धजे रिक्शे तो कहीं ज़रा मॉडर्न हो रहे रिक्शे दिख जाएंगे.

कुछ लोग तो इसे हिंदी भाषा का ही शब्द समझते हैं, लेकिन ये हिंदी का शब्द नहीं है. कुछ लोग तो अंग्रेज़ी की डिक्शनरी में होने की वजह से इसे अंग्रेज़ी शब्द समझ लेते हैं, लेकिन आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये शब्द इंग्लिश का भी नहीं है. फिर ये शब्द आया कहां और किस भाषा से?

दरअसल रिक्शा एक 'जापानी' भाषा का शब्द है, जो तीन अलग-अलग शब्दों से मिलकर बना है. जापानी में इस वाहन को जिनरिक्शा कहा जाता है. ये शब्द तीन जापानी शब्दों को जोड़कर बना है 1 - जिन यानी मनुष्य, 2 - रिकि यानी शक्ति और 3 - शा यानी वाहन. इस तरह इस शब्द का अर्थ हुआ बना- मानवशक्ति से चलनी वाला वाहन.

जापान में पहली बार 1879 में मनुष्य द्वारा खींचे जाने वाले रिक्शा सामने आए थे. ये रिक्शा वैसे ही थे, जैसे बीसवीं सदी के शुरू में कोलकाता में भी चलते थे. रिक्शे वाला सवारी को रिक्शे में बैठाकर खुद भागता था. जापान से ये रिक्शा ब्रिटिश उपनिवेशों में पहुंचे. इन उपनिवेशों में रहनेवाले ग़रीब लोग ब्रिटिशर्स को रिक्शा में बैठाकर एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते थे.

1 हफ्ते में चाहिए चमचमाती स्किन तो चुकंदर का ऐसे करें उपयोग

हमने हमेशा चुकंदर के सेवन के कई फायदों के बारे में सुना है. पोषक तत्वों से भरपूर चुकंदर हमारी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं. यह त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करती है और आपकी त्वचा की रंगत को बेहतर बनाने का एक प्राकृतिक तरीका है. चुकंदर का सेवन और लगाने से आपकी त्वचा में चमक आती है और पोर्स क्लीन होते हैं. यह एक एक्टिव फेस और बॉडी क्लींजर के रूप में भी काम करता है, जो पिंपल्स, मुंहासों के धब्बे और पिगमेंटेशन को दूर करता है और उसे त्वचा चमकदार बनाती है.

अगर नियमित रूप से इसका इस्तेमाल किया जाए तो आप महज 7 दिनों में बदलाव देख सकते हैं. आइए कुछ तरीकों पर एक नजर डालते हैं जिससे आप चुकंदर को अपनी त्वचा की लाइफस्टाइल में शामिल कर सकते हैं.

दही और शहद के साथ चुकंदर

चमकती त्वचा के लिए अगर आप चमकती त्वचा चाहते हैं, तो कुछ चुकंदर को कद्दूकस कर लें और उसमें दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद मिलाएं.

चुकंदर और चंदन

त्वचा को चमकदार बनाने के लिए आप चुकंदर का गाढ़ा पेस्ट बना सकते हैं और उसमें एक चम्मच चंदन पाउडर मिला सकते हैं. विटामिन सी से भरपूर होने के कारण आपको दो सप्ताह में धीरे-धीरे परिणाम दिखने लगेंगे. इस पेस्ट को हर दिन 15 मिनट तक लगाकर रखें और बदलाव देखें.

चुकंदर और एलोवेरा जेल

रूखी त्वचा के लिए रूखी त्वचा वाली सभी लड़कियों के लिए, एक चुकंदर लें और उसका गाढ़ा पेस्ट बना लें. अब, इसमें थोड़ा एलोवेरा जेल या असली एलोवेरा मिलाएं और इसे धीरे से मिलाएं. इस पेस्ट को 20 मिनट तक लगाएं और ताज़ा बदलाव देखने के लिए इसे ठंडे पानी से धो लें.

चुकंदर के साथ गुलाब जल, नीम पाउडर और बेकिंग सोडा

मुंहासों की समस्या के लिए अगर आप मुंहासों की समस्या से जूझ रहे हैं और अक्सर मुंहासे निकल आते हैं, तो 2 चम्मच बेकिंग पाउडर में 1 चम्मच नीम पाउडर, 2 चम्मच चुकंदर पाउडर और 2 चम्मच गुलाब जल मिलाएं. इन सबको मिला लें और इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार लगाएं. जब आपका चेहरा पूरी तरह सूख जाए तो इसे धो लें और धीरे-धीरे होने वाले बदलाव को देखें.

सर्दियों में फटे रहते हैं होंठ?

अगर सर्दियों में आपके होंठ फटते हैं और त्वचा रूखी हो जाती है, तो इस घरेलू उपाय को आजमाएं. ये घरेलू नुस्खे ऐसे हैं जिनसे आपको कोई खर्च भी नहीं होगा और फटे होंठों की समस्या भी दूर हो जाएगी.

फॉलो करें ये 3 उपाय
सॉफ्ट और रेड रहेंगे लिप्स

फटे होठों के लिए घरेलू उपचार

अगर सर्दियों में आपके होठों की त्वचा बहुत शुष्क है तो उस पर शहद लगाएं. शहद को होठों पर लगाने से रूखापन कम हो जाता है. शहद में मॉइस्चराइजिंग एजेंट होते हैं जो होठों की त्वचा में नमी लाते हैं. शहद लगाने से दर्द और सूखे होठों की समस्या से भी राहत मिलती है. होठों पर शहद लगाएं और 5 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें. इसके बाद अपने चेहरे को गर्म पानी में डुबोकर अपने होठों को साफ कर लें. ऐसा दिन में दो से तीन बार करने से फटे होंठ गुलाब की पंखुड़ियों जैसे मुलायम हो जाएंगे.

नारियल का तेल

नारियल का तेल एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है. यह सर्दियों में त्वचा, बाल और होठों को मुलायम रखता है. इन समस्याओं के लिए नारियल का तेल बहुत फायदेमंद साबित होता है. नारियल के तेल में फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा को पोषण देते हैं और उपचार प्रक्रिया को तेज करते हैं. अगर आप नारियल के तेल को हल्का गर्म करके होठों पर लगाएंगे तो होठों का रूखापन दूर हो जाएगा.

ककड़ी का रस

खीरे का रस चेहरे पर लगाने की तरह होठों पर भी लगाना फायदेमंद होता है. रोजाना खीरा खाने से त्वचा को भी फायदा होगा. इसके अलावा आप खीरे के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर भी होठों पर लगा सकते हैं. इस मिश्रण को 15 मिनट तक गर्म रखें और फिर पानी से धो लें.

तिल पट्टी

खाना-खजाना

कुछ लोगों को खाना खाने के तुरंत बाद मीठा खाने की क्रेविंग होती है। अगर आपके घर में भी आपके हसबैंड या घर के किसी दूसरे सदस्य को मीठा खाने की क्रेविंग होती है तो आप घर पर ही मिठाई बनाकर तैयार कर सकते हैं। ठंड के मौसम में तिल से बनी चीजों को खूब खाया जाता है। इस दौरान तिल खाना अच्छा माना जाता है, क्योंकि ये सेहत के लिए अच्छी होती है और ठंड में शरीर को भी गर्म रखती है। यहां हम आपको तिल पापड़ी या तिल पट्टी बनाने का तरीका बता रहे हैं। ये पापड़ी गुड़ से तैयार की जाती है इसलिए ये हेल्दी स्वीट डिश में शामिल हो सकती है। देखिए, घर पर आसानी से कैसे तैयार करें तिल पट्टी या तिल गुड़ पापड़ी।

सामग्री :

- 200 ग्राम तिल
- 400 ग्राम गुड़
- 4 बड़े चम्मच घी
- 2 बड़े चम्मच पिस्ता
- 2 बड़े चम्मच बादाम
- बटर पेपर

विधि :

तिल पट्टी या पापड़ी बनाने के लिए आप सबसे पहले 4-5 मिनट के लिए धीमी आंच पर लगभग 2 कप तिल के बीज को सूखा भूनें। इसे एक तरफ निकालें और ठंडा होने दें।फिर बादाम और पिस्ता को भी अच्छे से बारीक काट लें। अब एक पैन गरम करें और उसमें थोड़ा पानी गर्म करें और फिर इसमें 2 कप गुड़ डालें। इस तब तक पकाएं जब तक आपको गाढ़ा सिरप न मिल जाए। फिर आप इसमें एक बड़ा चम्मच घी मिलाएं। जब तक बटर पेपर शीट को थोड़ा घी डालकर चिकना कर लें। फिर गुड़ की चाशनी में भुने हुए तिल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इसे चिकने कागज पर डालें। इसकी एक पतली परत फैलाएं और और बादाम-पिस्ता से गार्निश करने के बाद अच्छे से दबाएं। इसे सेट करने के लिए साइड में रखें और फिर में काट लें।

बना लें ये आदतें तो किडनी की बीमारियां रहेंगी दूर

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई प्रकार की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। डायबिटीज और हार्ट की समस्या के बाद शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा प्रभावित पाया जा रहा है, उनमें किडनी और लिवर की बीमारियां सबसे ज्यादा हैं। डायबिटीज और उच्च रक्तचाप को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) का सबसे आम कारण माना जाता है। जिस तरह से कम उम्र के लोग भी डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का शिकार हो रहे हैं उसने 30 से पहले की आयु में किडनी की बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी काफी बढ़ा दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की बीमारियों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए 20 की उम्र से ही कुछ आदतें बना लेना सभी के लिए जरूरी है। सक्रिय जीवनशैली और पौष्टिक आहार के सेवन से किडनी की समस्याओं को रोकने में मदद मिल सकती है।

बहुत महत्वपूर्ण है किडनी की सेहत

हमारी किडनी मुट्ठी के आकार का अंग हैं जो पसलियों के नीचे और रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ स्थित होती हैं। किडनी हमारे रक्त से अपशिष्ट उत्पादों, अतिरिक्त पानी और अन्य अशुद्धियों को छानती है, जिससे रक्त साफ रहता है। ये अपशिष्ट उत्पाद आपके मूत्राशय में जमा हो जाते हैं और बाद में मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, किडनी हमारे शरीर में पीएच, सोडियम और पोटेशियम के स्तर को नियंत्रित करने का भी काम करती है।

यही कारण है कि किडनी को स्वास्थ्य को बनाए रखना आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि कम उम्र से ही किन आदतों का पालन करके किडनी से संबंधित बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है?

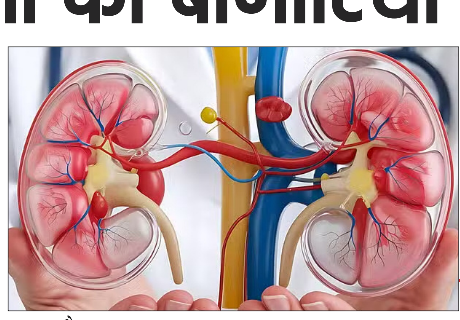

ब्लड प्रेशर और शुगर को करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों का बढ़ना सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। इससे किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। जब आपके शरीर की कोशिकाएं रक्त में मौजूद ग्लूकोज (शर्करा) का उपयोग नहीं कर पाती हैं, तो किडनी को रक्त छानने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसी तरह से हाई ब्लड प्रेशर भी किडनी की क्षति का कारण बन सकता है। किडनी को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए कम उम्र से ही ब्लड प्रेशर और शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी है।

संतुलित आहार का करें सेवन

संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन किडनी और शरीर के सभी अंगों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। सोडियम, प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजें किडनी को नुकसान पहुंचाती हैं। हरी सब्जियां-फल, साबुत अनाज का सेवन करें। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। पानी पीते रहने से किडनी स्वस्थ रहती है। ताजी चीजों को आहार में अधिक शामिल करें जिसमें स्वाभाविक रूप से सोडियम कम हो- जैसे कि फूलगोभी, ब्लूबेरी, मछली, साबुत अनाज।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : आज बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम के कार्य टालें.

वृषभ : कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें।

मिथुन : भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह : बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या : सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा।

तुला : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

मकर : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा।

कुंभ : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

मीन : कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

फर्रुखाबाद में दहशत फैलाने वाला तेंदुआ पकड़ा गया

फर्रुखाबाद. फर्रुखाबाद में 20 लोगों को जख्मी करने वाला तेंदुआ आखिरकार पकड़ा गया। कानपुर के चिड़ियाघर से गई टीम ने ट्रेंकुलाइज करके दबोच लिया। सोमवार सुबह तेंदुआ को ग्रामीणों ने जसमई गांव के खेतों में देखा था। इसके बाद 8.40 बजे स्कूल जा रहे 2 छात्रों पर हमला कर दिया। इसके अलावा अन्य लोगों पर भी तेंदुए ने छपट्टा मारा। जिससे ग्रामीणों में दहशत मच गई थी। सोमवार सुबह जसमई गांव में तेंदुआ दिखने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। वहीं, स्कूल जा रहे 2 छात्रों पर तेंदुए ने हमला बोल दिया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो तेंदुए ने उन पर भी अटैक कर दिया और मौके से फरार हो गया। हालांकि थोड़ी देर बाद तेंदुआ फिर से ग्रामीणों पर टूट पड़ा। किसी तरह भागकर लोगों ने जान बचाई। वन विभाग की टीम, पुलिस बल और एसडीएम में भी पहुंचे। कानपुर चिड़ियाघर से पहुंची टीम ने घेराबंदी कर तेंदुए को ट्रेंकुलाइज करके दबोच लिया।

कुत्ते की मौत का सदमा जान पर भारी, युवक ने फेसबुक पोस्ट लिखकर खुद को मारी गोली

कानपुर. कानपुर में रिटायर्ड दरोगा के बेटे ने खुदकुशी करने की कोशिश की। उसने फेसबुक पर आई एम रियली सॉरी, वो विल मीट अगेन इन आदर वर्ल्ड, लव यू पापा, जैसी भावुक लाइन पोस्ट कर शनिवार शाम सीने में गोली मार ली। पिता के मुताबिक पालतू कुत्ते की मौत का उसे सदमा लगा था। ये घटना कल्याणपुर क्षेत्र के गूबा गार्डन के सिद्धार्थनगर का है। हरी विलास शुक्ला रिटायर्ड दरोगा हैं। उनका छोटा बेटा सौरभ नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करता है। शनिवार को सौरभ नोएडा से घर आया था। शनिवार शाम को छत पर जाकर सौरभ ने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से छाती में गोली मार ली।

बहनोई ने 17 साल की साली से बनाए जबरदस्ती शारीरिक संबंध, हुई गर्भवती, FIR

हरदोई. हरदोई जनपद में सुरसा थानाक्षेत्र के एक गांव में चचेरे बहनोई ने साली से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। साली वह गर्भवती हो गई। पीड़िता के पिता ने बड़े भाई के दामाद पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। घटना 13 जुलाई, 2024 की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुरसा थानाक्षेत्र के गांव निवासी किशोरी के पिता ने तहरीर में बताया कि 13 जुलाई को बड़े भाई के दामाद श्रीपाल ने 17 वर्षीय बेटी से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इससे उनकी बेटी गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी होने पर पीड़ित पिता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। थानाध्यक्ष अनेक पाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शिकायत देर से सात दिसंबर को दी गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। आरोपित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

75 पोलिंग सेंटर पर VVPAT-EVM वोटों का वैरिफिकेशन

- 30 लोकसभा, 45 विधानसभा सीटों वाले बूथ पर जांच हुई
- गिनती में कोई अंतर नहीं मिला

नांदेड़. महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने EVM में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। चुनाव प्रक्रिया में EVM की सत्यता को साबित करने के लिए चुनाव आयोग (EC) के निर्देश पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में जिला प्रशासन ने 75 वीवीपैट मशीनों का EVM पर पड़े वोटों के साथ वैरिफिकेशन और मिलान किया। हालांकि दोनों के डेटा में कोई अंतर नहीं मिला।

दरअसल महाराष्ट्र में नांदेड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस को जीत और जिले की 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को हार मिली थी। इसके बाद EVM में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे थे।

इन केंद्रों पर हुआ वैरिफिकेशन

हदगांव विधानसभा क्षेत्र में किनवट, वाल्ला, पलासा, वाटेगांव, कंजारा, रोडगी में केंद्र क्रमांक 151, भोकर विधानसभा क्षेत्र में जवाहर भवन, नंदा बुद्रुक, खड़की, रेनापुर, उत्तरी नांदेड़ में पिंपरी महिपाल, किशोरनगर, ब्रह्म सिंह नगर, इकरा उर्दू हाई इमरान कॉलोनी में स्कूल, हैदराबाद में NSW स्कूल, नांदेड़ दक्षिण में सफा उर्दू स्कूल, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, गांधी राष्ट्रीय हिंदी विद्यालय समेत अन्य केंद्रों पर वोटिंग का वैरिफिकेशन किया गया।

ऐसे पूरी हुई सत्यापन प्रक्रिया

केंद्रों का चयन उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों और चुनाव पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में लॉटरी से किया। इसके बाद हर विधानसभा क्षेत्र की 5 VVPAT मशीनों की पर्चियों की गिनती की और EVM के वोटों से उनका मिलान किया गया। जिला कलेक्टर अभिजीत राउत ने बताया कि जिले के 75 केंद्रों, 30 लोकसभा और 45 विधानसभा के वोटों की गिनती में कोई गड़बड़ी नहीं है।

लोकसभा सीट के लिए इन केंद्रों पर हुई गिनती

भोकर निर्वाचन क्षेत्र में अर्धपुर, नागापुर में केंद्र संख्या -161, मुखेड़ में केंद्र संख्या -2390, दौर में केंद्र संख्या 287, वाडी मुक्ताजी में केंद्र संख्या 321, नांदेड़ उत्तर में राष्ट्रमाता स्कूल, हेरिटेज इंग्लिश स्कूल, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल, उर्दू स्कूल, कुदवईनगर में माध्यमिक विद्यालय, नांदेड़ दक्षिण में टिलरोड स्कूल नंबर-145, जी.पी. मुखेड़ निर्वाचन क्षेत्र में स्कूल, कुसुमताई स्कूल, श्रीरंगवाड़ी, उमरगा में केंद्र संख्या-107 पर वोटों का सत्यापन किया गया।

नांदेड़ लोकसभा सीट पर हुए थे उपचुनाव

2024 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के वसंतराव चव्हाण ने नांदेड़ सीट से जीत हासिल की थी। तब उन्होंने BJP के प्रतापराव पाटिल चिखलीकर को 59 हजार 442 वोटों से हराया था। वसंत राव चव्हाण के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुए। कांग्रेस कैंडिडेट रविंद्र वसंतराव चव्हाण को कुल 5 लाख 86 हजार 788 वोट मिले और उन्होंने BJP के डॉ. संतुकराव हंबार्डे को 1457 वोटों से हरा दिया। कांग्रेस इस लोकसभा सीट में आने वाली छह विधानसभा सीटें हार गई थी।

इल्तिजा मुफ्ती बोलीं- हिंदुत्व एक बीमारी है

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने कहा कि हिंदुत्व एक बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को बीमार किया है। यह भगवान के नाम को भी कलंकित कर रही है। जय श्री राम का नारा अब राम राज्य के बारे में नहीं है। इसका इस्तेमाल भीड़ द्वारा हत्या के दौरान किया जाता है। PDP नेता ने ये बातें एक कथित वायरल वीडियो सामने आने के बाद कहीं। दरअसल, 6 दिसंबर को एक वीडियो वायरल हुआ था। दावा किया जा रहा है कि इसमें कुछ लोग नाबालिग मुस्लिम लड़कों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

'आप कब्जा करेंगे तो हम क्या लॉलीपॉप खाते रहेंगे'

- बांग्लादेश को ममता बनर्जी की दो टूक

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की चीफ ममता बनर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को सख्त नसीहत दी है और दो टूक लहजे में कहा है कि आप अगर हमारे क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे तो हम क्या चुपचाप बैठकर लॉलीपॉप खाते रहेंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा में बांग्लादेशियों को जमकर फटकार लगाई और सख्त लहजे में कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह ठीक नहीं है। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर गंभीर चिंता जताई।

ममता बनर्जी ने आज विधानसभा में कहा, इकिसी ने कलकत्ता पर कब्जा करने की बात कही। कुछ ने फिर से पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा की वापसी की मांग करने की धमकी दी है। अगर कोई कोलकाता या बंगाल पर कब्जा करने आएगा तो राज्य सरकार चुप नहीं बैठेगी और लॉलीपॉप नहीं खाती रहेगी।इ मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि भारत अभिन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश की राजनीति को लेकर ना कोई सिरदर्द है और न कुछ लेना-देना।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि हम देगा नहीं, शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा, इयह उत्तर प्रदेश नहीं है कि मैं आपको बैन कर दूं लेकिन मैं आपसे अपील करती हूं कि यहां सही तरीके से रहिए। कुछ फर्जी वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। एक खास राजनीतिक दल ऐसा कर रहा है। राजनीति मत कीजिए। वहां हमारे दोस्तों को नुकसान होगा।इ

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा, इआप कहते हैं कि आप (बंगाल, बिहार, ओडिशा) पर कब्जा कर लेंगे। आपमें वह दम नहीं है और हम क्या बैठकर लॉलीपॉप खाते रहेंगे? इसके बारे में सोचो भी मत। भारत अखंड है। हम सब एक हैं। हमारा बांग्लादेश की राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हमें किसी के उकसावे में भी नहीं आना चाहिए।इ

ममता बनर्जी की यह टिप्पणी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी समेत कुछ लोगों के उन व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के बाद आई है, जिसमें बांग्लादेशी सेना का पूर्व सदस्य होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने चेतावनी दी कि उसका कौशल भारतीय सेना से कहीं अधिक है और चार दिन में कलकत्ता पर कब्जा कर सकते हैं।

PM मोदी ने पानीपत में बीमा सखी स्कीम लॉन्च की

- बोले-MSP पर फसलें खरीद रहे
- हरियाणा ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का मंत्र अपनाया

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पानीपत में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की बीमा सखी योजना लॉन्च की। जिसमें बीमा सखी बनने वाली 18 से 70 साल तक की महिलाओं को हर महीने 5 से 7 हजार रुपए मिलेंगे। उन्होंने रिमोट से बटन दबाकर करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी यूनिवर्सिटी के मुख्य परिसर का भी शिलान्यास किया।

इसके बाद PM मोदी ने कहा कि मैं हरियाणा के देशभक्त लोगों को राम-राम करता हूं, जिन्होंने 'एक हैं तो सेफ हैं' के मंत्र को अपनाकर उदाहरण पेश किया। उन्होंने राज्य में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर भी धन्यवाद किया।

PM ने कहा कि चुनाव दर चुनाव विरोधी परेशान हैं कि मोदी जीत कैसे रहा है। वे सिर्फ चुनाव के वक्त महिलाओं के लिए घोषणाएं कर राजनीति करते हैं। मेरे 10 साल में घर-घर शौचालय, उज्जवला स्कीम और हर घर नल जैसी योजनाएं नहीं देखते, जिससे मुझे माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है।

शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन का नाम लिए बगैर पीएम ने कहा कि हम MSP पर फसलें खरीद रहे हैं। अकेले हरियाणा में MSP के तौर पर किसानों को 1 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमने 3 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य रखा था, जिसमें से 1 करोड़ बनाई जा चुकी हैं। LIC की इस नई योजना से 3 साल में 2 लाख बीमा सखी बनाएंगे।

पीएम जब मंच पर पहुंचे तो CM नायब सैनी ने उन्हें पराली से बनी हुई उनकी फोटो दी। मंच पर CM नायब सैनी के अलावा हरियाणा सरकार से सिर्फ 2 महिला मंत्रियों श्रुति चौधरी और आरती राव को जगह दी गई है।

दिल्ली के 40 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली. दिल्ली के 40 स्कूलों को सोमवार सुबह ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर सभी स्कूलों से बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बम ब्लास्ट करने की धमकी DPS आरके पुरम को सुबह 7.06 बजे और जीडी गोयनका पश्चिम विहार को सुबह 6.15 बजे जबकि कुछ स्कूलों को कल रात मिली। इसके बाद पुलिस, डॉग स्क्वॉड, सर्चिंग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीमें वहां भेजी गईं। हालांकि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

शंभू बॉर्डर खोलने की याचिका खारिज

SC ने फटकार लगाई, कहा- लोगों को दिखाने मुकदमा करने आ गए

- आज दिल्ली कूच नहीं करेंगे किसान

नई दिल्ली. किसानों के प्रदर्शन के चलते बंद शंभू बॉर्डर को खोलने के लिए लगाई गई याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। SC ने कहा कि इस तरह के मामले पहले ही कोर्ट में चल रहे हैं, फिर बार-बार क्यों इस तरह की याचिका दाखिल की जा रही है।

कोर्ट ने आगे कहा कि याचिका दाखिल करने से ऐसी धारणा बन रही है कि यहां कोई व्यक्ति केवल लोगों को दिखाने के लिए और प्रचार के लिए, मुकदमे करने के लिए आया है। आप पहले से चल रही याचिका में सहयोग करना चाहते हैं तो आपका स्वागत है।

याचिका जालंधर के रहने वाले गौरव लूथरा ने लगाई थी। उन्होंने मांग की थी कि केंद्र सरकार के साथ हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए कि शंभू बॉर्डर समेत उन सभी स्टेट-नेशनल हाईवेज को ट्रैफिक के लिए खोला जाए, जो किसानों की वजह से बंद किए गए हैं।

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका चल रही है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी बनाकर किसानों और सरकार से बातचीत कर मध्यस्थता करने को कहा था। हालांकि अभी तक कोई हल नहीं निकला। वहीं, किसानों की आगे की रणनीति पर किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा- कल 10 दिसंबर को कोई जत्था दिल्ली रवाना नहीं होगा। भारत सरकार अपने आप में कन्फ्यूज चल रही है। यह देश के हित में नहीं है।

AAP की दूसरी लिस्ट, 17 विधायकों के टिकट काटे

- मनीष सिसोदिया पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से लड़ेंगे
- उनकी सीट अवध ओझा को दी

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। AAP ने UPSC टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उतारा है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। चर्चित चेहरे में AAP ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय का टिकट काट दिया है। उनकी जगह दो दिन पहले भाजपा से AAP में शामिल हुए, सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया गया है।

AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है। इनमें भाजपा के 3 और कांग्रेस के 3 चेहरे शामिल हैं।

अब तक 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे

- AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं।
- AAP ने 3 विधायकों की सीट बदली है। वहीं, जिन चार सीटों पर पार्टी हारी थी, उनमें से दो पर पिछली बार हार चुके प्रत्याशी को ही दोबारा टिकट दिया है।
- दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। AAP ने 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा 8 और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई।

राहुल ने मोदी-अडाणी का मुखौटा लगाए सांसदों से बातचीत की

- पूछा- आपकी पार्टनरशिप कब से चल रही है
- सांसद बोले- सालों से, सब मिलकर करेंगे

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का सोमवार को 10वां दिन है। राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी का मुखौटा पहने सांसदों से बातचीत की।

राहुल ने सांसद से पूछा कि आप क्या बोल रहे हो? इस पर अडाणी का मुखौटा पहने सांसद ने कहा कि कुछ भी चाहता हूं। एयरपोर्ट चाहिए। राहुल ने पूछा कि अगला क्या लेने की कोशिश कर रहे हो?

अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि हमारा विजन साफ है। वो हमारा एक्चुअली मीटिंग शाम को है। इस पर राहुल जोर से हंसे। बगल में खड़े एक अन्य सांसद ने कहा कि भैया, ये पार्लियामेंट को छोड़ देना।

राहुल ने पूछा- आप अपने रिश्ते के बारे में बताइए। मुखौटा पहने सांसदों ने कहा कि हम दोनों सब मिलकर करेंगे।

राहुल ने पूछा कि आपकी कबसे पार्टनरशिप चल रही है? इस पर मुखौटा लगाए सांसदों ने कहा कि सालों साल से।

राहुल ने पूछा कि फ्यूचर कैसा है? अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि मैं इंडिया हूं।

राहुल ने पूछा कि ये पार्लियामेंट क्यों नहीं चलने दे रहे? अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि अमित भाई से पूछना पड़ेगा। मैं जो भी बोलता हूं, ये (मोदी का मुखौटा लगाए सांसद की तरफ इशारा) करते हैं।

राहुल ने मोदी का मुखौटा लगाए सांसद की तरफ मुखातिब होते हुए पूछा कि ये आजकल कम बोलते हैं। इस पर अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि ये आजकल थोड़ा टेंशन में हैं।

सिराज पर 20% मैच फीस का जुर्माना लगा

- हेड को एक डिमेरिट पॉइंट मिला
- एडिलेड टेस्ट में दोनों ने की थी बहस

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बैटर ट्रैविस हेड को ICC ने क्रिकेट आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है। ICC ने दोनों प्लेयर्स को 1-1 डिमेरिट पॉइंट दिया। वहीं सिराज पर मैच फीस का 20% जुर्माना भी लगाया गया।

सिराज ने ICC कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया। वहीं हेड को आर्टिकल 2.13 के तहत दोषी पाया गया। पिछले 24 महीने में दोनों की पहली गलती थी, इसलिए किसी पर भी मैच का बैन नहीं लगा। दोनों 14 दिसंबर से शुरू होने वाले ब्रिसबेन टेस्ट में खेल सकते हैं।

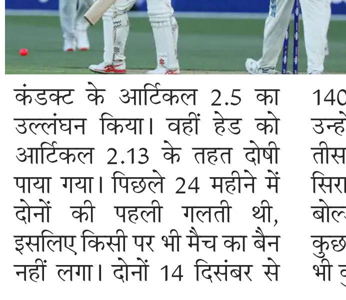

मैच के दूसरे दिन सिराज और हेड के बीच बहस हुई

82वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 7वां विकेट गंवाया। यहां ट्रैविस हेड 140 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सिराज के ओवर की तीसरी बॉल पर छक्का मारा, फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद हेड ने कुछ कहा जिसके बाद सिराज ने भी कुछ शब्द कहे और उन्हें सेंड ऑफ (बाहर जाने का इशारा किया) दिया। फिर हेड ने जाते हुए सिराज से कुछ कहा। ओवर के बाद सिराज को ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की हूटिंग का सामना भी करना पड़ा।

हेड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में झूठ कहा- सिराज

सिराज ने तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले स्टार स्पोर्ट्स हिंदी से कहा, जब मैंने उसे (ट्रैविस हेड) बोल्ड किया, तो मैंने केवल जश्न मनाया और उसने मुझे गाली दी और आपने इसे टीवी पर भी देखा।

आम सूचना

हम श्री अमरसिंह दर्शनसिंह लबाना व श्री कृष्णा अमरसिंह लबाना सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, 320 चौ.फुट, सामने बैरक नं. 590, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बी0016406100) उक्त प्रॉपर्टी श्री किशोर पी. तोलाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.8.2024 सी.नं. 1589 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अमरसिंह दर्शनसिंह लबाना व श्री कृष्णा अमरसिंह लबाना

आम सूचना

हम श्री अमर हिरानंद गोहेजा व श्री मोहित अमर गोहेजा सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप नं. 1, ग्राउंड फ्लोर, धोबीघाट रोड, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 18बीआय016034900(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री विकीसिंग दर्शनसिंग लबाना के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.11.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अमर हिरानंद गोहेजा व श्री मोहित अमर गोहेजा

आम सूचना

मैं श्री गोपाल लखमीराम चांडलिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 432 चौ.फुट, बैरक नं. 16 के पास, मेन रोड, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 08ए0014740500) उक्त प्रॉपर्टी श्री मुकेश लखमीरा चांडलिया और श्रीमती मुन्नी राजेश वाल्मीकि के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 7.12.2024 सी.नं. 230 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गोपाल लखमीराम चांडलिया

आम सूचना

हम श्री अमर हिरानंद गोहेजा व श्रीमती हर्षा अमर गोहेजा सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप नं. 2, ग्राउंड फ्लोर, धोबीघाट रोड, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 18बीआय016034900(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती हेमा दिलीप लूल्ला के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.11.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अमर हिरानंद गोहेजा व श्रीमती हर्षा अमर गोहेजा

आम सूचना

मैं श्री बिनोदकुमार हरी गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लेट नं. 403, 4था माला, कर्मा पैलेस, बैरक नं. 408, रुम नं. 1-2, गोल मैदान, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 12बीआय01811800) उक्त प्रॉपर्टी मिस कविता खुशीराम पोपले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.6.2024 सी.नं. 585 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री बिनोदकुमार हरी गुप्ता

आम सूचना

मैं श्री गिरीश प्रकाश मोटवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लेट नं. 204, 2रा माला, सिल्वर अपार्टमेंट, रुम नं. 191-192, ब्लाक नं. ए-32, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 12एआय01538O500) उक्त प्रॉपर्टी श्री होतू हासानंद मोटवाणी से गिफ्ट डीड में आधा हिस्सा और श्रीमती गीता प्रकाश मोटवाणी से रिलीज डीड के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 4.12.2024 सी.नं. 203 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गिरीश प्रकाश मोटवाणी

आम सूचना

मैं श्री शेषराव मारुति खेडकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, राठोड बंगले के सामने, शांतिनगर, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 29सी0005265000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती नंदा सुनील गोसावी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.11.2024 सी.नं. 2911/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शेषराव मारुति खेडकर

आम सूचना

मैं श्रीमती कमल सूरज कनोजिया सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लेट नं. 101, 1ला माला, रुम नं. 4, बैरक नं. 259-बी, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 18बीआय016016500(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री जीतेंद्र रामचंद हस्सीजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.12.2024 सी.नं. 186 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कमल सूरज कनोजिया

संक्षेप...

मोबाइल दुकान से 1.30 लाख की चोरी

भिवंडी. भिवंडी में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं.

यहां शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत टेमघर पाडा कैलाश चौहान की जमनाबाई रामा निवास बिल्डींग में पीजे नामक राहुल कैलाश चौहान की मोबाईल दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने दुकान से 1 लाख 30 हजार रुपये कीमत के मोबाईल व नकद रकम चोरी कर रफूचक्कर हो गए.पुलिस चोरी की शिकायत दर्ज कर जांच कर रही है.

महायुति सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

- राहुल नार्वेकर निर्विरोध महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष बने
- 4 विपक्षी विधायकों ने आज भी शपथ नहीं ली

मुंबई. भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर को 15वीं महाराष्ट्र विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 1960 में राज्य के गठन के बाद से नार्वेकर विधानसभा स्पीकर पद पर दोबारा चुने जाने वाले दूसरे शख्स हैं। उनसे पहले बालासाहेब भारदे महाराष्ट्र विधानसभा में लगातार 2 बार अध्यक्ष चुने जाने वाले एकमात्र सदस्य थे।

आखिरी दिन बाकी बचे विधायकों में से 4 ने शपथ ली। इनमें जयंत पाटिल और उनकी पार्टी के 3 और विधायक थे। शिवसेना के विलास भूमरे, शिवसेना (UBT) के वरुण सरदेसाई, मनोज जामसुतकर और NCP के शेखर निकम ने अभी तक शपथ नहीं ली है। हालांकि वे बाद में स्पीकर ऑफिस में शपथ ले सकते हैं।

इधर, महाराष्ट्र विधानसभा के तीसरे और आखिरी दिन CM देवेंद्र फडणवीस विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। इस प्रस्ताव को शिवसेना विधायक उदय सामंत ने पेश किया था। इसके अलावा विधानसभा में 14 अध्यादेश भी पेश किए गए। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधन बाकी है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से 21 दिसंबर तक नागपुर में किया जाएगा।

नार्वेकर के खिलाफ MVA ने नहीं उतार प्रत्याशी

BJP की कोलाबा सीट से विधायक राहुल नार्वेकर ने 8 दिसंबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। वे निर्विरोध चुने गए क्योंकि विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (MVA) ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, नाना पटोले समेत कई विपक्षी विधायकों CM देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी और प्रोटोकॉल के तहत डिप्टी स्पीकर का पद विपक्षी गठबंधन में से किसी एक के सदस्य को देने की मांग रखी थी।

2022 में एकनाथ शिंदे के शिवसेना से अलग होकर सीएम बनने के बाद राहुल नार्वेकर को ही स्पीकर बनाया गया था। 14वीं विधानसभा में ढाई साल तक अध्यक्ष रहे। तब शिवसेना ठाकरे गुट ने उन पर विधायकों की अयोग्यता पर फैसला देने में देर करने का आरोप लगाया था।

विधानसभा को बाजार बना दिया

- विधायकों पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को उन विधायकों को आड़े हाथों लिया, जो विधानसभा में अपने समर्थकों की भीड़ के साथ आते हैं। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा को बाजार नहीं बना सकते। उन्होंने विधान भवन में भीड़ प्रबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि परिसर को 'बाजार' नहीं बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि विधान भवन में भीड़ रहेगी तो सदन ठीक से कैसे चल पाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे कुछ विधायकों को ठेस पहुंच सकती है, लेकिन हमें विधान भवन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।'

फडणवीस ने कहा कि मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। लेकिन मुझे स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे बेहतर

कोई विकल्प नहीं मिल रहा है। यह परिसर 'बाजार' नहीं बनना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा, 'अगर विधान भवन में इतनी भीड़ रहेगी, तो यह सदन ठीक से कैसे चलेगा?' उन्होंने कहा कि कई निर्वाचित जनप्रतिनिधि काम के लिए विधान भवन के अंदर अलग-अलग कक्षों में अपने समर्थकों के साथ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी इन कक्षों में बहुत अधिक लोग इकट्ठा हो जाते हैं और कोई दूसरा अंदर नहीं जा पाता। फडणवीस ने सदन में राजनीतिक संवाद में कमी पर भी निराशा व्यक्त की।

उन्होंने कहा, 'विधानसभा में संवाद नदारद है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह बंद हो गया है, लेकिन इसमें कमी जरूर आई है। हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति ऐसी नहीं रही है, जैसी इन दिनों दिख रही है। उन्होंने कहा कि आपस में संवाद बना रहना चाहिए, तभी जरूरी मसलों का हल निकल पाएगा। इस दौरान सदन में विश्वास मत भी लाया गया, जो बिना किसी विरोध के पारित हो गया। यह प्रस्ताव शिवसेना के नेता उदय सामंत और एनसीपी के लीडर दिलीप वलसे पाटिल ने पेश किया था। वहीं भाजपा के संजय कुटे भी इसे पेश करने वाले नेताओं में शामिल थे।

भिवंडी में गड्ढों की सड़कों पर चलना जान की जोखिम

- बारिश के बाद भी नहीं भरे जा रहे गड्ढे.
- मनपा प्रशासन की लापरवाही उजागर

भिवंडी. बारिश बीतने के 4 माह बाद भी भिवंडी की सड़कों पर हुए तमाम जानलेवा गड्ढों की दुरुस्ती को लेकर मनपा प्रशासन लापरवाही बरत रहा है.शहर की अधिसंख्यक सड़कों एवं फ्लाईओवर पर हुए गड्ढों में गिरकर लोग घायल हो रहे हैं. मनपा प्रशासन की लापरवाही से भिवंडीकरों में भारी आक्रोश पनपा हुआ है.जनहित सामाजिक संस्था ने मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य से नागरिकों की सुविधा के लिए अविलंब सड़क दुरुस्ती की मांग की है अन्यथा हजारों नागरिकों के साथ मनपा मुख्यालय का घेराव किए जाने की चेतावनी दी है.

गौरतलब हो कि,भारी बारिश की वजह से भिवंडी की अधिसंख्यक सड़कों पर भारी भरकम गड्ढों की भरमार हो गई है.सड़कों पर हुए गड्ढों में गिरकर पैदल यात्री,दुपहिया चालकों के हाथ पांव चोटिल हो रहे हैं.भिवंडी की तमाम प्रमुख सड़कों पर गड्ढों का साम्राज्य होने से ट्रैफिक जाम लग रहा है.कल्याण रोड आस बीबी मस्जिद से खदान रोड की सड़क तो गड्ढों में तब्दील हो चुकी है.सड़क पर मिट्टी के सिवाय कुछ भी नहीं है. सड़क से वाहन गुजरने पर मिट्टी का गुबार उड़कर हेल्थ खराब कर रहा है. सड़क से गुजरते समय मुंह,आंख में धूल,मिट्टी कचरा जा रहा है जिससे सांस की बीमारी, आंख खराब हो रही है.मजबूरीवश लोग मुंह पर रुमाल बांधकर चलते दिखाई देते हैं. धामणनाका, बंजार पट्टी नाका उड़ानपुल अधिसंख्यक जगहों पर टूट जाने से जानलेवा गड्ढों से गुजरना बेहद कठिन जानलेवा साबित हो रहा है.मंडई से ब्राह्मण आली की सड़क गड्ढों से भरी होने से बाजार क्षेत्र में आने वाले हजारों ग्राहकों को ट्रैफिक समस्या से गुजरना पड़ रहा है. धामणकर नाका से कालेज रोड,बराला देवी तालाब से आयुक्त बंगला चौक, भाग्यनगर, कामतघर, मानसरोवर, म्हाडा रोड आदि की सड़कें गड्ढों से भरी पड़ी हैं.कृष्णा कांप्लेक्स से खोखा कंपाउंड के मार्ग पर वाहन तो छोड़िए पैदल चलना भी जान को जोखिम में डालना है.

> स्थानीय लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि,खराब सड़क तो दूर की बात है .खदान रोड पहाड़ी के ऊपर की नालियों से गंदा पानी मार्ग पर बह रहा है .शिकायत के बाद भी आरोग्य विभाग के अधिकारी नालियों की सफाई की कोई जहमत नहीं उठा रहे हैं .कृष्णा कांप्लेक्स से खोखा कंपाउंड मार्ग के गड्ढों में हमेशा पानी जमा होने से पैदल यात्री भी पानी में गिरकर कपड़े गंदा होने से मनपा प्रशासन को कोसते दिखाई पड़ते हैं .शहर की सभी प्रमुख सड़कों,संपर्क मार्गों, गटरों पर लगे हुए तमाम चैंबर के ढक्कन टूट फूट कर बिखर जाने के बाद हो रहे हादसे के बावजूद मनपा आंखे मूंदे तमाशबीन बनी हुई है .शहर के नागरिकों को आशा थी कि,बारिश के बाद मनपा प्रशासन मूलभूत समस्याओं के निराकरण पर गंभीर होकर ध्यान देगा जो छलावा साबित हो रहा है .

> मनपा द्वारा बारिश के दौरान और बाद में भी गड्ढे भरे गए थे .मनपा अंतर्गत पांचों प्रभाग समिति क्षेत्र की सड़कों पर हुए गड्ढों की दुरुस्ती के लिए प्रति प्रभाग समिति 50 लाख रुपए का टेंडर निकालकर ठेकेदारों को वर्क आर्डर दिया गया है .शहर की सड़कें जल्द ही दुरुस्त की जाएंगी .जनहित कार्यों में लापरवाह ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारी पर सख्त एक्शन लिया जाएगा .
>
> **-अजय वैद्य**
> प्रशासक, आयुक्त मनपा

बांग्लादेश में हिंदुओं अत्याचार के विरोध में

नवी मुंबई में हिंदू समाज सड़कों पर

नवी मुंबई. बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में नवी मुंबई में हिंदू समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया और मामले पर अपनी नाराजगी जाहिर की। विरोध प्रदर्शन के दौरान, इस्कॉन (कृष्णा चेतना के लिए अंतर्राष्ट्रीय समाज) के प्रतिनिधि अद्वैत चैतन्य महाराज ने कहा कि आजकल हिंदुओं की सहिष्णुता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है और यह सभी हिंदुओं का कर्तव्य है कि वे सड़क पर आएं और हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास के लिए न्याय की मांग करें, जिन्हें बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महाराज ने कहा कि सभी हिंदुओं को एक साथ आने और इस अत्याचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने की जरूरत है और जब तक हिंदू इस मामले को लेकर सड़कों पर नहीं उतरते, भारत सरकार कुछ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा, हिंदुओं की सहनशीलता आज उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है... सभी हिंदुओं का कर्तव्य है कि वे सड़कों पर उतरें और चिन्मय कृष्ण दास के लिए न्याय की मांग करें... सभी हिंदुओं को एक साथ आकर इस अत्याचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने की जरूरत है... जब तक हिंदू सड़कों पर नहीं उतरेंगे, भारत सरकार कुछ नहीं करेगी ... पूरे देश में करीब 100 करोड़ हिंदू हैं और अगर उनमें से आधे भी सड़कों पर उतर आए तो दुनिया को हिंदुओं की ताकत का एहसास होगा ।₹ गौरतलब है कि बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हम ले किए गए हैं।

हाईटेंशन लाइन का विकल्प खोजने के मनपा आयुक्त ने दिए निर्देश

- रेलवे, महानगर पालिका और महावितरण संयुक्त दृष्टिकोण अपनाएं

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे-मुलुंड के बीच बन रहे नए रेलवे स्टेशनों के पास हाई प्रेशर पावर लाइन के विकल्प पर एक महीने के भीतर समाधान निकालने का निर्देश दिया है. ठाणे स्मार्ट सिटी के तहत ठाणे और मुलुंड के बीच मनोरोग अस्पताल के निकट एक नया रेलवे स्टेशन बन रहा है। इसमें रेलवे सर्कुलेशन एरिया में ट्रैक निर्माण, रेलवे स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण जैसे सहायक कार्य रेलवे द्वारा किए जा रहे हैं, जबकि सर्कुलेशन एरिया के बाहर डेक, रैंप जैसे सहायक कार्य स्मार्ट सिटी द्वारा किए जा रहे हैं। इस कार्य का पिछले दिनों मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निरीक्षण किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उप नगर अभियंता सुधीर गायकवाड, कार्यकारी अभियंता धनाजी मोड, महावितरण के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

इस निरीक्षण के दौरान आयुक्त राव ने इस प्रोजेक्ट से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी ली। सेंट्रल रेलवे लाइन से गुजरने वाली उच्च दबाव बिजली लाइन के कारण काम न रुके इसके लिए आयुक्त ने महा वितरण अधिकारियों को 15 दिसंबर तक तत्काल उपाय करने और एक महीने के भीतर वैकल्पिक उपाय करने का निर्देश दिया। साथ ही आयुक्त ने यह भी कहा कि इस चैनल के टावर को हटाने और इस चैनल को भूमिगत करने के लिए रेलवे, महानगर पालिका और महावितरण को संयुक्त दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

कुर्ला में 141वां चंपाषष्ठी यात्रा महोत्सव

मुंबई. कुर्ला स्थित प्राचीन श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में श्री सर्वेश्वर महादेव के सानिध्य में 141वें चंपाषष्ठी यात्रोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्री सर्वेश्वर महादेव की पालकी यात्रा से पहले विशेष पूजा का आयोजन किया गया। 7 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 तक श्री सर्वेश्वर कुस्ती फड़ और उसके बाद श्रीराम का मेला मनाया जाएगा।

पुजारी मंदार जोशी ने विधिवत पूजा संपन्न कराई। इस मौके पर विधायक मंगेश कुडालकर, अनिल गलगली, भाऊ कोरगांवकर, डॉ महेश पेडणेकर, किसन मदने, डॉ

अनुराधा पेडणेकर, मनोज नाथानी, चंद्रकांत सावंत, रवींद्र कोचले, विनायक गाढवे, प्रदीप भोसले, बबन शेलके, उमेश गायकवाड, प्रमोद शिरगावकर, प्रेमचंद मदने, चेतन कोरगांवकर, प्रकाश चौधरी उपस्थित थे।

141 साल पहले, पहला चंपाषष्ठी उत्सव स्वदेशी मिल श्रमिकों द्वारा मनाया गया था, जिन्होंने स्वदेशी मिल के हिंदू श्रमिकों द्वारा एकत्र की गई सदस्यता से वाडिया के माध्यम से टाटा द्वारा प्रदान की गई भूमि पर श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना और निर्माण किया था। यह उत्सव 5 दिसंबर 1883 को मनाया गया। तब से, मुंबई में यह परंपरा स्वदेशी मिल और न्यू मिल के श्रमिकों और कुर्ला और चूनाभट्टी के स्थानीय भक्तों के माध्यम से 141 वर्षों से चंपाषष्ठी और जात्रा उत्सव को बड़े उत्साह के साथ मनाते हुए जारी है।

साइबर जालसाजों ने 58 लाख रुपये ठगे

ठाणे. साइबर ठगों ने 'शेयर' में निवेश करने का लालच देकर नवी मुंबई के 60 वर्षीय एक व्यक्ति से कथित तौर पर 58 लाख रुपये की ठगी की ।शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पेशे से 'डिजाइन कंसल्टेंट' शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने अक्टूबर में उनसे संपर्क किया और शेयर में निवेश करने पर आकर्षक लाभ देने की बात कही। अधिकारी के अनुसार, जालसाजों ने यह भी दावा किया था कि वे एक राष्ट्रीयकृत बैंक की 'शेयर ट्रेडिंग' शाखा से संबद्ध हैं।

मुंबई विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालयीन रग्बी प्रतियोगिता में एसएसटी कॉलेज की दोहरी सफलता

उल्हासनगर. आत्मा मलिक कॉलेज, आटगांव में आयोजित मुंबई विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालयीन रग्बी प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय की महिला और पुरुष रग्बी टीमों ने अपनी शानदार प्रदर्शन के साथ महाविद्यालय का नाम रोशन करते हुए सफलता प्राप्त की है। महिला रग्बी टीम ने इस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर अपनी क्षमता और दृढ़ता को साबित किया। टीम की प्रत्येक खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीमवर्क का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया।

पुरुष रग्बी टीम ने भी इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। उनकी खेल में जोश, समर्पण और दृढ़ निश्चय के कारण वे पूरी प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र बने रहे।

महाविद्यालय के खेल क्षेत्र की इस दोहरी सफलता ने विद्यार्थियों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है। टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच और प्रबंधन की विशेष प्रशंसा की जा रही है।

इस अद्वितीय सफलता के लिए पूरे एसएसटी परिवार ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जाहीर नोटीस
तहसीलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी कार्यालय कल्याण

जा.क्र. फौजदारी / जन्म मृत्यु नोंद /टे-६/ एस.आर क्र-३५४/२०२४ दि.१ /०६/२०२४

प्रति.

१) सोनाली प्रसन्नजित चक्रवर्ती, — **अर्जदार**
राहणार यादगीर बिल्डींग रु.नं. 6. कोळशेवाडी, कल्याण,

विरुध्द

२) निबंधक, जन्म मृत्यु नोंदणी विभाग, — **सामनेवाले**
कल्याण डोंबिवली महानगर पालीका, कल्याण

तमाम जनतेस सदर नोटीसीद्वारे सुचीत करण्यात येते आहे ते येणेप्रमाणेः

१. उपरोक्त अर्जदार सोनाली प्रसन्नजित चक्रवर्ती, यांचे आजीमुजुमदार काननबाला मृत्यु दिनांक २७-०२-२००४रोजी झालेला आहे. अर्जदाराकडुन काही अपरिहार्य कारणामुळे तसेच अनावधनामुळे सदर मुत्युची नोंद निबंधक, जन्म मृत्यु नोंदणी विभाग, कल्याण डोंबिवली महानगर पालीका, कल्याण दफ्तरी करुन मुत्यु दाखला प्राप्त करुन घ्यावयाचा राहीला होता. अर्जदार यांना त्यांच्या काही वैयक्तीक कारणांसाठी मुत्यु दाखल्याची आवश्यकता आहे.
२. उशीरा मुत्यु नोंदणी दाखला मिळणेसाठी मा. तहसीलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी यांचेकडुन आदेश प्राप्त करुन घ्यावयाचा असल्यामुळे सदर कार्यालयास अर्ज दि ०५-०४-२०२४दाखल केला आहे.
३. सदर बाबत कोणत्याही व्यक्तीची कोणतीही हरकत असल्यास ही नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून ३० दिवसाच्या आत सदर न्यायालयात दाखल करावी वरीलु मुदतीत कोणी योग्य हरकत न दाखल केल्यास अर्जदार यांना सदर कार्यालयातर्फे त्यांच्या जन्म नोंदणीचा दाखला मिळणेकरीता आदेश करण्यात येईल.

आज दिनांक माहे २८/६/२०२४ रोजी माझे सहीने व शिक्क्याने दिली.

तहसील कार्यालयाचा सही शिक्का — शिक्का — हुकुमावरुन कार्यकारी दंडाधिकारी, कल्याण

भूमि पेडनेकर ने करवा ली टमी टक सर्जरी?

- जींस खिसकाते देख लोग बोले- पेट में मरोड़

भूमि पेडनेकर रीसेंटली मुंबई के एक इवेंट में दिखाई दीं तो उनकी पेट ने हर किसी का ध्यान खींचा। उनकी जींस काफी ढीली थी जिसे वह खिसका रही थीं और पेट से फैट गायब था और ऐब्स दिख रहे थे। भूमि इस लुक पर काफी ट्रोल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लग रहे हैं। कुछ लोगों को लग रहा है कि भूमि ने अपने ऐब्स दिखाने के लिए सांस खींच रखी है तो कई ये भी मान रहे हैं कि उन्होंने टमी टक सर्जरी करवा ली है।

लोगों ने किया ट्रोल

रेडिट पर किसी ने भूमि की तस्वीर पोस्ट करके लिखा है, क्या फैट लॉस के बाद यह नॉर्मल पेट है? नहीं, साफ दिख रहा है कि वह पेट अंदर कर रही है। इस पर किसी ने लिखा है, सर्जरी के बाद भी अगर पेट पिचकाना पड़ रहा है तो पैसे ही बचा लो। एक ने लिखा है, यह टमी टक है हालांकि बेस्ट नहीं है। एक ने लिखा है, भूमि पेkajalट फेकर। एक कमेंट है, ऐसा लग रहा है, पेट में मरोड़ आ रही है। कुछ लोगों ने लिखा है कि भूमि का बेली बटन भी नैचुरल नहीं लग रहा है। लोग बाबा रामदेव से भी भूमि की तुलना कर रहे हैं और उनकी इमेज के साथ मीम वायरल हो रहे हैं।

टमी टक को एब्डॉमिनोप्लास्टी भी कहते हैं। यह एक तरह की कॉस्मेटिक सर्जरी है जिसमें पेट से फैट और स्किन निकाली जाती है ताकि एब्डोमिन की मसल्स टाइट हो सकें। हालांकि भूमि के इस लुक की वजह क्या है, इसकी ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099